Shree Ram Sharnam,
International Spiritual Centre
8A, Ring Road, Lajpat Nagar - IV,
New Delhi - 110 024, INDIA

हरि तुम हरो जन की भीर
हरि तुम हरो जन की भीर ।

द्रौपदी की लाज राख्यो,
तुम बढ़ायो चीर ॥

भगत कारण रूप नर हरि,
धरयो आप सरीर ॥

हिरण्याकच्छपि मारि दीन्हों,
धरयो नाहिन धीर ॥

बूड़तो गजराज राख्यो,
कियो बाहर नीर ॥

दासी मीरा लाल गिरिधर,
दुख जहाँ तहाँ पीर ॥

www.shreeramsharnam.org / www.ibiblio.org/ram